NEWS COVERAGE REPORT OF CULTURE DEPARTMENT FOR 4 FEBRUARY 2025

DAILY NEWS

पं. बिरजू महाराज जयंती समारोह आज

Publication	दैनिक जागरण (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	4 FEB 2025	Page-01

देश–दुनिया घूमे, पर हमेशा अपने शहर के रहे पंडित बिरजू महाराज

जासं • लखनऊ : पंडित बिरजू महाराज किशोरावस्था में लखनऊ से दिल्ली चले गए थे। वहां से देश और दुनिया में भ्रमण किया, कथक को नई ऊंचाइयां दिलाईं, किंतु हमेशा अपने शहर के ही होकर रहे। वह कहते भी थे, 'दिल्ली में रहते हुए भले ही लंबा समय बीता है, लेकिन आज भी मेरे मुंह से यही निकलता है कि मैं लखनऊ का हूं।'

बिरजू महाराज ने कथक की एक ऐसी शैली विकसित की थी, जिसमें तांडव की प्रखरता और लास्य की कोमलता का सुंदर समावेश था। वह कभी भी अपनी विशिष्ट कथक शैली का श्रेय परिवार की नृत्य परंपरा और लखनऊ को देना नहीं भूलते थे। पं. बिरजू महाराज को उप्र संगीत नाटक अकादमी में सम्मानित किया गया था। तब उन्होंने कहा था, 'मजबूरी में दिल्ली में फंसा हूं, लखनऊ में कथक सिखाना चाहता हूं।' वह कोविड के बाद सबसे पहले लखनऊ आए। वह लखनऊ में चार फरवरी 1938 को जन्मे। यहीं बड़े हुए और पूरी दुनिया में छा गए। उसी कालका बिंदादीन इयोढ़ी का नाम पूरी दुनिया में पहुंचाया, जहां आज कथक संग्रहालय बना है। लखनऊ से उनकी अनगिनत यादें जुड़ी हुई हैं। 17 जनवरी 2022 को उनका देहावसान हो गया था।

- लखनऊ घराने के कथक को दुनिया में दिलाई पहचान
- कथक की विशिष्ट शैली के लिए जाने जाते थे पं. बिरजू

पं. बिरजू महाराज के साथ कुमकुम धर • स्वयं

फिल्म बनाने के शौकीन थे

पं. लच्छू महाराज की शिष्या व बिरजू महाराज कथक संस्थान की अध्यक्ष कुमकुम धर बताती हैं, पं. बिरजू महाराज कालका बिंदादीन इयोढ़ी में ही रहते थे। वह आते थे तो हम सब उन्हें देखकर अभिभूत हो जाते थे। वह फिल्म बनाने के शौकीन थे। लिखते भी और चित्रकारी भी करते थे। वह कैमरे से अक्सर शूटिंग किया करते थे। उनके प्रोडक्शन भव्य होते थे। वह जब आते थे तो इयोढ़ी पर अवश्य बुलाते थे। किसी भी कलाकार को छोटेपन का अहसास नहीं होने देते थे। मैंने उन्हें कभी क्रोध में नहीं देखा।

जयंती समारोह आज

बिरजू महाराज कथक संस्थान की ओर से पं. बिरजू महाराज जयंती समारोह संगीत नाटक अकादमी के संत गाडगे महाराज प्रेक्षागृह मंगलवार शाम पांच बजे से शुरू होगा। समारोह का उद्घाटन संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह करेंगे। पं. बिरजू महाराज की शिष्या वाराणसी की डा. दीपांविता सिंधा राय एकल नृत्य की प्रस्तुति देंगी। इसके बाद वसंत ऋतु पर आधारित सामूहिक कथक प्रस्तुत किया जाएगा, जिसे उनकी वरिष्ठ शिष्या कथक गुरु मालती श्याम के निर्देशन में कथक केंद्र नई दिल्ली के कलाकार पेश करेंगे।

Publication	पायनियर (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	4 FEB 2025	Page-02

ईको टूरिज्म में युवाओं के लिए असीमित अवसरः जयवीर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने एक संदेश में कहा है कि किसी भी क्षेत्र के विकास में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसी उद्देश्य से आईआईटी कानपुर में आयोजित कॉन्क्लेव में ईको-टूरिज्म बोर्ड ने सहभागिता किया। निश्चित रूप से इसका सफल परिणाम शीघ्र हमारे सामने होगा। इको टूरिज्म के क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश विश्व का ध्यान खींचेगा। बदलते परिवेश में आदमी भौतिक साधनों से ऊब कर प्रकृति के सानिध्य में रहना चाहता है, जहां पर मनोरम स्थल होने के साथ ही प्रदूषण मुक्त वातावरण हो। कोरोना काल के दौरान यह देखा गया कि हर आदमी प्रकृति के समीप जाना चाहता है।

पर्यटन मंत्री ने कहा कि ईको टूरिज्म पर्यटन का ऐसा क्षेत्र है जहां पर पर्यटक जैवविविधता को नुकसान पहुंचाये बगैर पर्यटन स्थलों का भ्रमण कर सके। साथ ही स्थानीय मान्यताओं, परम्पराओं, सांस्कृतिक परिवेश को करीब से जान सके।

उन्होंने कहा कि इसको दृष्टिगत रखते हुए एग्री टूरिज्म तथा होम.स्टे कांसेप्ट को बढ़ावा दिया जा रहा है। ईको टूरिज्म एक उभरता हुआ पर्यटन है। ईको टूरिज्म से स्थानीय लोगों को रोजगार के साथ जुड़कर आमदनी बढ़ाने का एक सुनिश्चित जरिया भी है। उन्होंने कहा कि इसको दृष्टिगत रखते हुए उत्तर प्रदेश ईको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड ने 31 जनवरी से 2 फरवरी तक आईआईटी कानपुर में आयोजित तीन दिवसीय पॉलिसी कॉन्क्लेव में हिस्सा लिया। बोर्ड की ओर से स्टॉल लगाकर ईको टूरिज्म स्थलों का प्रचार-प्रसार किया गया। कतर्नियाघाट, दुधवा नेशनल पार्क और पीलीभीत टाइगर रिजर्व आदि का वर्चुअल भ्रमण भी कराया गया। कॉन्क्लेव में क्विज प्रतियोगिता भी आयोजित हुई।

मुख्य वन संरक्षक कानपुर केके सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश का नैसर्गिक सौंदर्य अद्भुत है। यहां विविध प्रकार के वन्यजीव, विलुप्तप्राय पक्षियों समेत कई अन्य आकर्षण के केन्द्र हैं, जो देश-दुनिया को आकर्षित करते हैं।

पूर्व प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष, सीनियर एडवाइजर राजीव गर्ग ने कहा हमारा प्रयास है कि ईको-टूरिज्म साइट्स पर पर्यटक सुविधाओं का विकास किया जाए। ताकि यहां आने वाले पर्यटक विशिष्ट अनुभव लेकर लौटें।

पं. बिरजू महाराज जयंती समारोह आज

बिरजू महाराज कथक संस्थान संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा मंगलवार 4 फरवरी को पं. बिरजू महाराज जयंती समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन संत गाडगे महाराज प्रेक्षागृह, संगीत नाटक अकादमी, गोमती नगर लखनऊ में सांय 5 बजे से शुरू होगा। समारोह का उद्घाटन संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह करेंगे। समारोह में पं. बिरजू महाराज की शिष्या डॉ. दीपान्विता सिंधा राय द्वारा एकल नृत्य की प्रस्तुति भी दी जायेगी।

Publication	अमृत विचार (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	4 FEB 2025	Page-04

पं. बिरजू महाराज जयंती समारोह आज

अमृत विचार, लखनऊ : गोमतीनगर स्थित संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह उ.प्र., संगीत नाटक अकादमी में 4 फरवरी मंगलवार को पं. बिरजू महाराज जयंती समारोह आयोजित किया जाएगा। बिरजू महाराज कथक संस्थान लखनऊ, संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित समारोह का उद्घाटन संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह द्वारा किया जाएगा।

Publication	तरुणमित्र (लखनऊ एडिशन)	Publishing Date :	4 FEB 2025	Page-12

पं. बिरजू महाराज जयंती समारोह आज

लखनऊ, 03 फरवरी (तरूणमित्र)। बिरजू महाराज कथक संस्थान लखनऊ, संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा कल 04 फरवरी को पं. बिरजू महाराज जयंती समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह उ.प्र., संगीत नाटक अकादमी, गोमती नगर लखनऊ में सांय 05:00 बजे से शुरू होगा। समारोह का उद्घाटन संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह करेंगे।

समारोह में पं. बिरजू महाराज की शिष्या डॉ. दीपान्विता सिंधा राय द्वारा एकल नृत्य की प्रस्तुति भी दी जायेगी। संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि पं बिरजू महाराज शास्त्रीय कथक नृत्य के लखनऊ कालिका बिंदादीन घराने के अग्रणी नर्तक थे। वह बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे।

कथक नृत्य के अलावा उनको गायन, तबला, पखावज इत्यादि के वादन में भी महारथ हासिल थी। उन्होंने ठुमरी, भजन और कवित्त आदि की रचना की थी। कथक क्षेत्र में उनका अद्वितीय योगदान है। उल्लेखनीय है कि पं. बिरजू महाराज ने अपने जीवन के 35 वर्ष दिल्ली कथक केंद्र को दिए थे, इसलिए समारोह की द्वितीय प्रस्तुति के अंतर्गत सामूहिक कथक नृत्य प्रस्तुत किया जाएगा, जिसे उनकी वरिष्ठ शिष्या कथक गुरु मालती श्याम जी के निर्देशन में कथक केंद्र नई दिल्ली के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा।

Publication	तरुणमित्र	Publishing Date :	4 FEB 2025	Online

https://www.tarunmitra.in/state/uttar-pradesh/pt-birju-maharaj-jayanti-celebrations-today/article-72659

पं. बिरजू महाराज जयंती समारोह आज

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह करेंगे समारोह का शुभारंभ

By Harshit On 03 Feb 2025 20:12:04